ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Media Bite **28 December, 2020**

Shri Randeep Singh Surjewala, Gen Secretary & In-charge Communications Deptt, AICC addressed media at AICC Hdqrs., today

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश के करोडों-करोडों कांग्रेसजनों और देशवासियों ने एक लंबी लड़ाई लड़कर इस देश को आजादी दिलवाई थी। सैंकड़ों-हजारों लाखों लोगों ने जेलें काटी, फांसी के फंदे पर लटके, तब जाकर इस देश का तिरंगा हम लाल किले के शहतीर से फहरा पाए। उस समय भी आज के जो सत्ताधारी हैं, उनके पितृ संगठन गोरे अंग्रेज की गोद में बैठकर देश के स्वतंत्रता संग्राम का विरोध कर रहे थे। देश की आजादी के 73 साल बाद आज फिर उसी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और वही अंग्रेज जो अब काले अंग्रेजों की शक्ल धारण कर गए हैं, आज फिर उन जैसी सरकार देश की सत्ता में नजर आती है। करोडों-करोड़ों किसान, इस देश का 62 करोड़ अन्नदाता, इस देश के लाखों किसान दिल्ली की सीमा पर न्याय की गुहार लगा रहे हैं और दिल्ली की गद्दी पर बैठे हुकमरान को उस देश के किसानों की पीड़ा नजर नहीं आती।

आदरणीय मोदी जी, कांग्रेस के स्थापना दिवस पर वो कांग्रेस जो कर्तव्य भी है, समर्पण भी है, देश सेवा भी है और कुर्बानी भी है, वो कांग्रेस जिसने इस देश को आजादी और संविधान दिया था। आज हम आपसे पूछते हैं कि इस देश की सत्ता पर बैठे सत्ताधारी काले अंग्रेजों की शक्ल कैसे ले सकते हैं? इस देश की सत्ताधारी सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह कंपनी सरकार कैसे बन सकती है? आंखें खोलिए मोदी जी, इतने निष्ठुर मत बनिए, इतने निर्मम मत बनिए। सरकार का काम निर्दयता नहीं, सरकार का काम जनता की सेवा है। सिखना है तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से सीख लीजिए पर भगवान के लिए किसानों से सीधी बात करिए। क्यों आप कतरा रहे हैं और किसानों को पीठ दिखा रहे हैं?

प्रधानमंत्री जी से आज कांग्रेस के स्थापना दिवस पर इस देश के करोड़ों देशवासियों और कांग्रेसजनों की ओर से हम कहेंगे - प्रधानमंत्री जी राजहठ छोडिए, प्रधानमंत्री जी ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह का व्यवहार छोड़िए, प्रधानमंत्री जी अंग्रेजों जैसा व्यवहार इस देश की जनता से करना बंद करिए और इस देश के किसानों से बात करिए। 45 किसान से ज्यादा पिछले 33 दिनों के अंदर अपनी कुर्बानी दे चुके हैं। और कितनी कुर्बानियां चाहिएं मोदी जी और कितने किसान मरेंगे, तब आप जागेंगे, आपकी आत्मा पसीजेगी? और कितने किसानों की बलि आपको और चाहिए?

इसलिए प्रधानमंत्री से हमारी मांग है किसानों से सीधा वार्तालाप करें और दूसरी मांग है कि अपने मन के दरवाजे खोलें और अपने मन का मैल उतारें और साफ मन से, सच्चे मन से किसानों से बुलाकर प्रधानमंत्री बात करें और आज 3 काले कानून, वो वार्तालाप शुरु होते ही, तीनों काले कानून खत्म करने का एक निर्णय जो ये देश चाहता है, उसको वो बताएं।

एक प्रश्न पर कि श्री राहुल गांधी आज कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह में नहीं आए, इस पर क्या कहेंगे? श्री सुरजेवाला ने कहा कि श्री राहुल गांधी इस समय कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं हैं, कांग्रेस की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी हैं। श्री राहुल गांधी को जो पार्टी जिम्मेवारी देती है, वो उसका निर्वहन कर रहे हैं। जहाँ कांग्रेस पार्टी उन्हें जाने को कहती है, एक कार्यकर्ता के तौर पर श्री राहुल गांधी वहाँ जाते हैं। परिवार का अगर कोई सदस्य बीमार हो, तो क्या व्यक्ति उसे देखने नहीं जा सकता? श्री राहुल गांधी एक शॉर्ट पर्सनल विजिट पर अपने परिवार के एक सदस्य को जो गंभीर रुप से बीमार हैं, उनसे मिलने गए हैं। वो ना किसी छुट्टी पर गए हैं और ना कहीं और। और अपने परिवार की दूसरी सदस्या, जो सबसे बड़ी हैं, उनकी नानी, वो साल के अंत में उनसे भी मिलने गए हैं। तो परिवार के सदस्य की खबर लेना, मुझे नहीं लगता कि अब उस पर भी भारतीय जनता पार्टी को एतराज होना चाहिए। पर आज सवाल ये नहीं है कि कौन कहाँ गया है, आज सवाल ये है कि लाखों किसानों की पीड़ा कौन हरने का प्रयास कर रहा है? भारतीय जनता पार्टी के मंत्री और देश के प्रधानमंत्री किसानों की सुध क्यों नहीं लेते? विपक्ष को गालियां देने की बजाए, इस देश के संचालन की ओर ध्यान क्यों नहीं देते? विपक्ष पर आरोप-प्रत्यारोप करने की बजाए प्रधानमंत्री और मंत्री 20 किलोमीटर जाकर किसानों से बात क्यों नहीं करते? प्रधानमंत्री सत्ता की अटालिका पर बैठकर इतने मदहोश क्यों बन बैठे हैं कि प्रधानमंत्री किसान से बात करने को तैयार नहीं हैं? आज मुद्दा इस देश में केवल एक है। आज मुद्दा ना कांग्रेस है, ना भाजपा है, ना विपक्षी दल हैं, आज मुद्दा ये है – मोदी जी तीन काले कानून कब वापस लेंगे? इतना ही मुद्दा है।

एक अन्य प्रश्न पर कि एक अंतर्राष्ट्रीय शूटर, वर्तिका सिंह ने कैबिनेट मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी पर एक करोड़ रुपए की कथित रिश्वत लेने का आरोप लगाया है, क्या कहेंगे? श्री सुरजेवाला ने कहा कि एक मंत्री की यहाँ चर्चा की गई, इस देश की एक जानी-मानी बेटी, उत्तर प्रदेश की एक जानी-मानी बेटी, अंतर्राष्ट्रीय शूटर, वर्तिका सिंह जी ने श्रीमती स्मृति ईरानी पर एक गंभीर इल्जाम लगाया है। वर्तिका सिंह जी ने जो मैंने पढ़ा और देखा, आपके समाचार पत्र और टेलीविजन के माध्यम से एक करोड़ रुपए की रिश्वत का इल्जाम लगाया है और एक मुकदमा भी स्मृति ईरानी जी के तथाकथित दो सहयोगियों पर दर्ज करवाया है, एक शायद विजय गुप्ता और एक रजनीश सिंह। अब मुझे बताईए – यूपीए के कार्यकाल में, कांग्रेस पार्टी के कार्यकाल में अगर ऐसा हो जाता, तो स्मृति ईरानी जी वहाँ धरने पर बैठी होती। आज स्मृति ईरानी जी आप इस्तीफा देकर निष्पक्ष जांच के लिए सामने क्यों नहीं आती? प्रधानमंत्री, स्मृति ईरानी जी का इस्तीफा लेकर एक इंडिपेंडेंट ज्यूडिशियल इंक्वायरी ऑर्डर क्यों नहीं करते? क्या पैसा लिया गया या नहीं लिया गया, क्या रिश्वत मांगी गई या नहीं मांगी गई। अगर स्मृति ईरानी जी के नाम पर रिश्वत मांगी किसी ने तो क्या वो स्मृति ईरानी जी के सहयोगी हैं या नहीं हैं? देश की कैबिनेट मंत्री पर इतना गंभीर इल्जाम लगा है और वो कोई ऐरे-गैरे नत्थू खैरे ने नहीं लगाया, इस देश की सबसे डेकोरेटेड बेटी ने कहा है, इस देश की अंतर्राष्ट्रीय शूटर वर्तिका सिंह ने कहा है कि स्मृति ईरानी जी के सहयोगियों ने एक करोड़ रुपए की रिश्वत वुमेन कमीशन

का मैंबर बनाने के लिए उनसे मांगी और बाकायदा एक पत्र जारी किया। हमें नहीं पता इसकी सच्चाई पर मैं केवल ये कहूंगा कि क्या मंत्री जी को निष्पक्ष जांच पूरी होने तक, क्या स्मृति ईरानी जी को इस्तीफा नहीं देना चाहिए, तो जवाब ये है, जो राजनीतिक पदों पर बैठे हैं और जब देश की डेकोरेटेड बेटी ने ऐसा गंभीर इल्जाम स्मृति ईरानी जी पर लगाया है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और निष्पक्ष जांच की पेशकश खुद करनी चाहिए, ताकि दूध का दूध, पानी का पानी सामने आ जाए। स्मृति ईरानी जी आप हमेशा न्याय की बात करती हैं बेटियों से, अब कसौटी आपके ऊपर है और प्रधानमंत्री जी पर है, जो स्मृति ईरानी जी को विशेष दर्जा जिन्होंने दिया हुआ है, कैबिनेट मंत्री बनाया हुआ है। प्रधानमंत्री जी का भी इंतिहान है, क्यों नहीं ज्यूडिशियल इंक्वायरी ऑर्डर कर देते, 6 महीने में रिपोर्ट आ जाएगी। दोषी हैं तो स्मृति ईरानी जी को सजा दीजिए, दोषी नहीं हैं तो जो गलत हैं, उसे सजा दीजिए, इन्हें वापस बना दीजिए। अब उसका जवाब हम जरुर चाहेंगे कि स्मृति ईरानी जी और प्रधानमंत्री मोदी जी मिलकर देश को देंगे।

एक अन्य प्रश्न पर के उत्तर में श्री सुरजेवाला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कोई चुनावी प्रक्रिया नहीं होती। वहाँ पहले भी दो आदमी बैठकर निर्णय लिया करते थे, अब भी दो आदमी निर्णय लेते हैं। हमारी पार्टी में चुनाव की एक प्रक्रिया है, वो इस समय चालू है और आदरणीय मिस्त्री जी उस सैंट्रल इलेक्शन अथोर्टी के अध्यक्ष हैं। बहुत जल्द जैसे ही उनको वो इलेक्ट्रोल लिस्ट वो जारी करेंगे, तो बाकायदा नामांकन आमंत्रित करेंगे। जब नामांकन आमंत्रित होंगे, तो कोई व्यक्ति भी अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दे सकता है। तो स्थिति उस दिन साफ हो जाएगी।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC